नाम क्या हैं जहां सरकार का बैंकिंग सुविधाएं देने का विचार है ; और

(ख) क्या सरकार का होशंगाबाद और पूर्व निमाड़ जिलों में भी बैंकिंग सुविधाएं देने का विचार है ?

वित्त मन्त्री (श्री यशवन्तराव चह्वाण) : (क) उन ग्रामीण क्षेत्रों के नाम (जिनकी आबादी 10,000 से अधिक नहीं है) और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के नाम (जिनकी आबादी 10,000 से 1,00,000 के बीच है) विवरण में दिये गये हैं जो सभा-पटल पर रख दिया गया है । [**ग्रन्थालय में रखा गया । देखिये संख्या** L.T-313/71] जिनके लिये कार्यालय खोलने के लिये भारतीय रिजर्व बैंक ने वाणिज्यिक बैंकों को लाइसेंस जारी किये हैं अथवा जो 1971 में या 1972 के आरम्भ में शाखाएं खोलने के लिये बैंकों के नाम निर्धारित कर दिये गये हैं ।

(ख) उपरोक्त विवरण से पता चल जायगा कि 1971 में अथवा 1972 के शुरू में होशंगाबाद में चार और पूर्वी निमाड़ जिले में पांच बैंक कार्यालय खुलने की आशा है ।

लेखकों और कलाकारों को वित्तीय सहायता

1278. **डा० लक्ष्मीनारायण पांडे** : क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत वर्ष केन्द्र सरकार ने किन-किन लेखकों और कलाकारों अथवा उनके परिवारों को वित्तीय सहायता दी थी ; और

(ख) यह सहायता देने के लिये क्या कसौटी अपनाई गई ?

शिक्षा और समाज कल्याण मन्त्री और संस्कृति विभाग मंत्री (श्री सिद्धार्थ शंकर राय) : (क) केन्द्रीय सरकार द्वारा 1961 से लेखकों और कलाकारों अथवा उनके परिवारों के लिए स्वीकृत अनुरक्षण भत्ते का सबसे पहले भुगतान राज्य सरकार द्वारा किया जाता है और उसके बाद 2:1 अनुपात से केन्द्रीय सरकार और राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाता है । राज्य सरकार ने अब तक उन लेखकों तथा कलाकारों अथवा उनके परिवारों के सदस्यों के नाम नहीं भेजे हैं, जिन्हें, इस योजना के अधीन, पिछले वर्ष अनुरक्षण भत्ता दिया गया था । इनकी संख्या लगभग 1200 होगी । इस सम्बन्ध में सूचना एकत्र की जा रही है ।

(ख) अनुदान-ग्राहियों के चुनाव के लिए, निम्नलिखित कसौटी अपनाई गई थी :—

(1) इस योजना के अधीन, सहायता के लिए किसी भी व्यक्ति को पात्र होने के लिए, उसका कला और साहित्य आदि में महत्वपूर्ण योगदान होना चाहिए ।

(2) आवेदक के निजी साधन 150 रुपये मासिक से अधिक नहीं होने चाहिए ।

(3) आवेदक की आयु 58 वर्ष अथवा उससे अधिक होनी चाहिए ।

भाषाओं के विकास पर किया गया व्यय

1279. **डा० लक्ष्मीनारायण पांडे** : क्या **शिक्षा और समाज कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार ने भारतीय भाषाओं के विकास पर, भाषा वार, प्रति वर्ष कितनी धन राशि खर्च की ; और

(ख) इसके लिए क्या कसौटी और प्रक्रिया अपनाई गई ?

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय में उप-मन्त्री (श्री डी० पी० यादव) : (क) और (ख). अपेक्षित सूचना देते हुए एक विवरण सभा-पटल पर रखा गया है । [**ग्रंथालय में रखा गया । देखिये संख्या** LT-314/71]